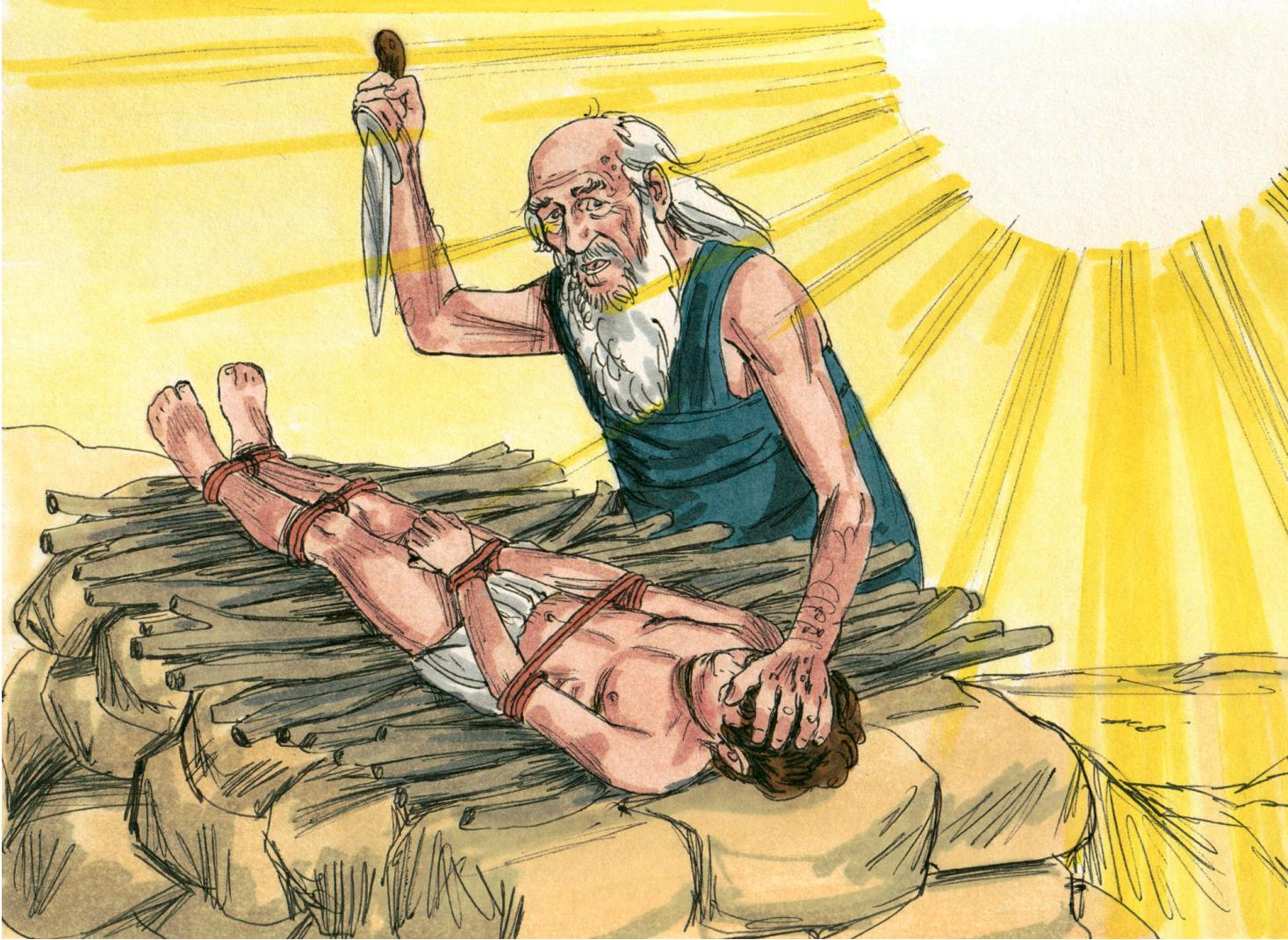


अब्राहम रौ बिश्वास



bangani

अब्राहम रौ बिश्वास

bangani
uttarkashi, uttrakhand, india



For permission to reuse, contact the copyright holder.

Bangani Language Book
Red level book

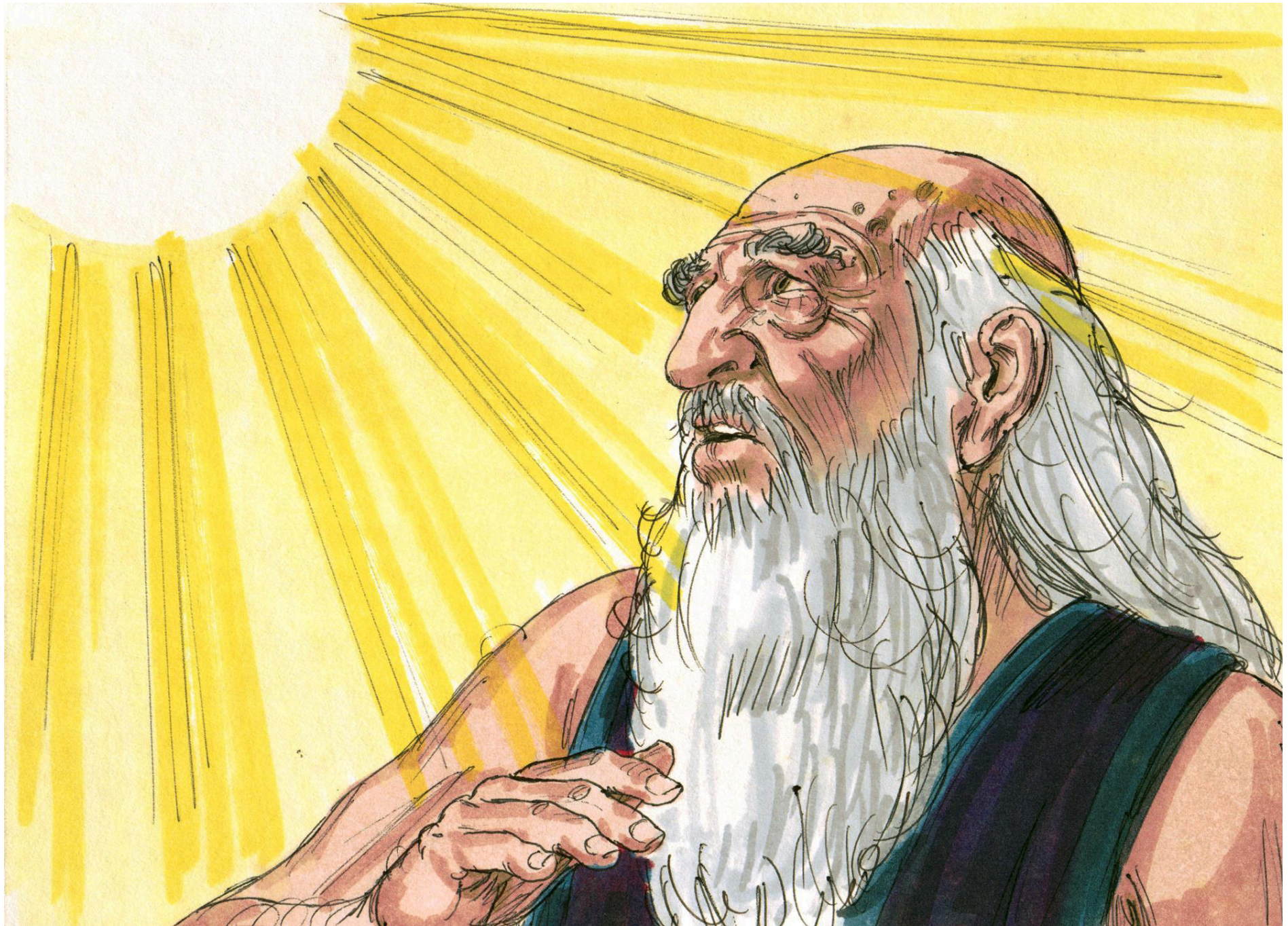
परकाशण:-

NLCI

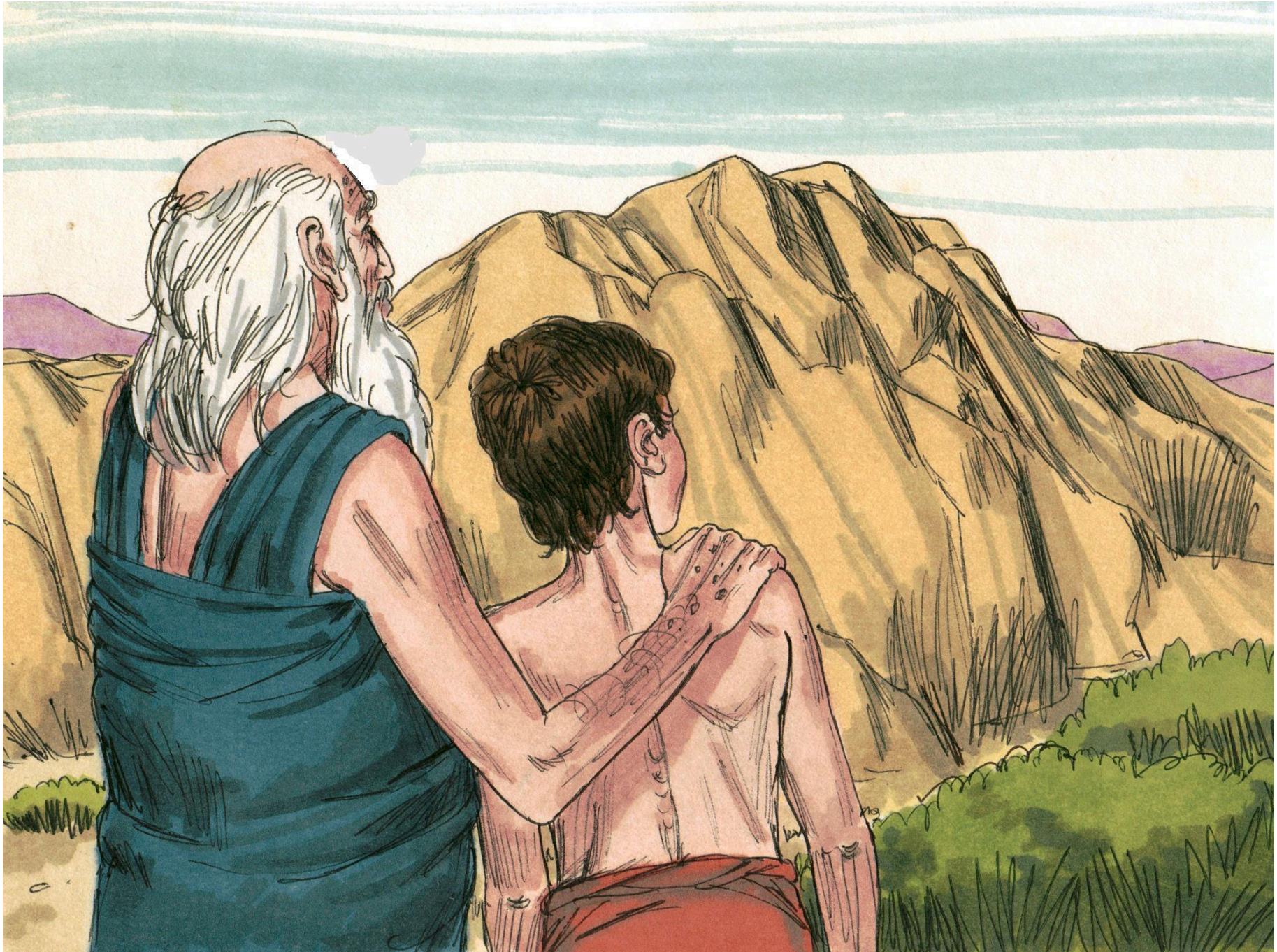
बंगाणी मसी समिति समू

दो बात

हम बंगाणी क्षेत्र में साक्षरता कार्यक्रम चला रहे हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ना लिखना सीख सकें। उसी आधार पर इस किताब को भी तैयार किया गया है। यह एक कहानी की किताब है। जिसमें अब्राम का बिश्वास के बारे में बहुत ही सरल रीति से बताया गया है। इस कहानी को हमने अपनी मातृभाषा में ही तैयार किया है जिससे वह इस कहानी को आसानी से समझ सके। और अपनी मातृभाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास भी कर सकें।



अब्राहम परमेश्वर दि बौरि बिश्वास
कौरै थौ। परमेश्वरेइ अब्राहम रौ
बिश्वास रि परिक्षा गिणियौ बोलौ। तू
आपड़ौ बेटाइ बौळि खि चौड़ाउ।



જેશૌ પરમેશ્વરેડ અબ્રાહમ આરિ બોલૌ,
તિણી તેશૌડ કિયૌ । અબ્રાહમ ડઠૌ
આપડે નૌકર ઔજિ આપડૌ બેટા
ગિણિયૌ ડૈઔ । અબ્રાહમેડ સેજી જાગા
દુરૈ કૌડ દેરવી ।



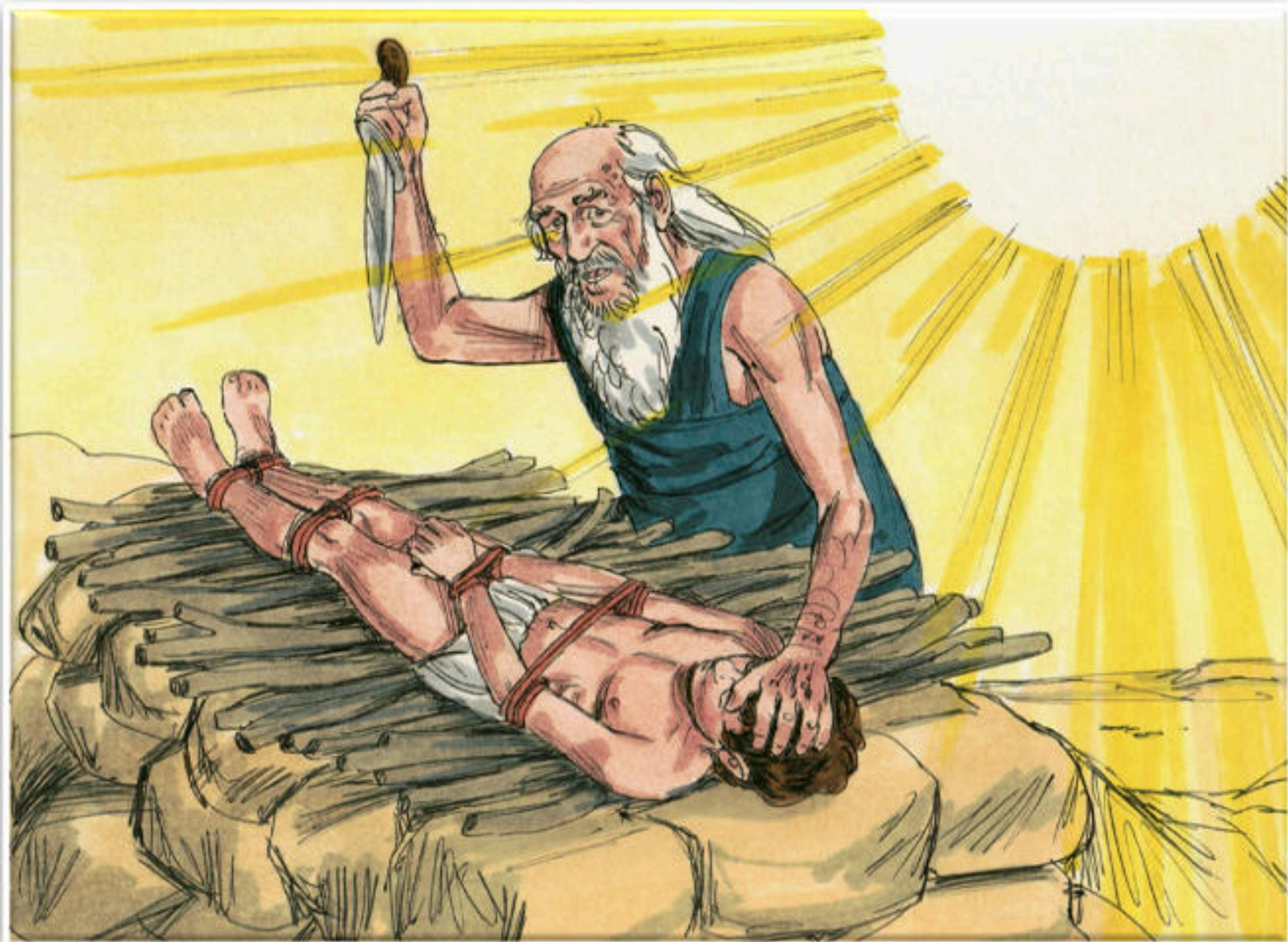
तैबै अब्राहमेइ नौकरुं आरि बोलौ,
कि तुमै एथिकै रौइयौ। आमैं दुइ
तेत्कै डेइयौ प्राथना कौरियौ वापस
आइ। अब्राहमेइ बौळि खि लाकड़ै
आपड़ै बेटा रै कान्दै माइं देणै।



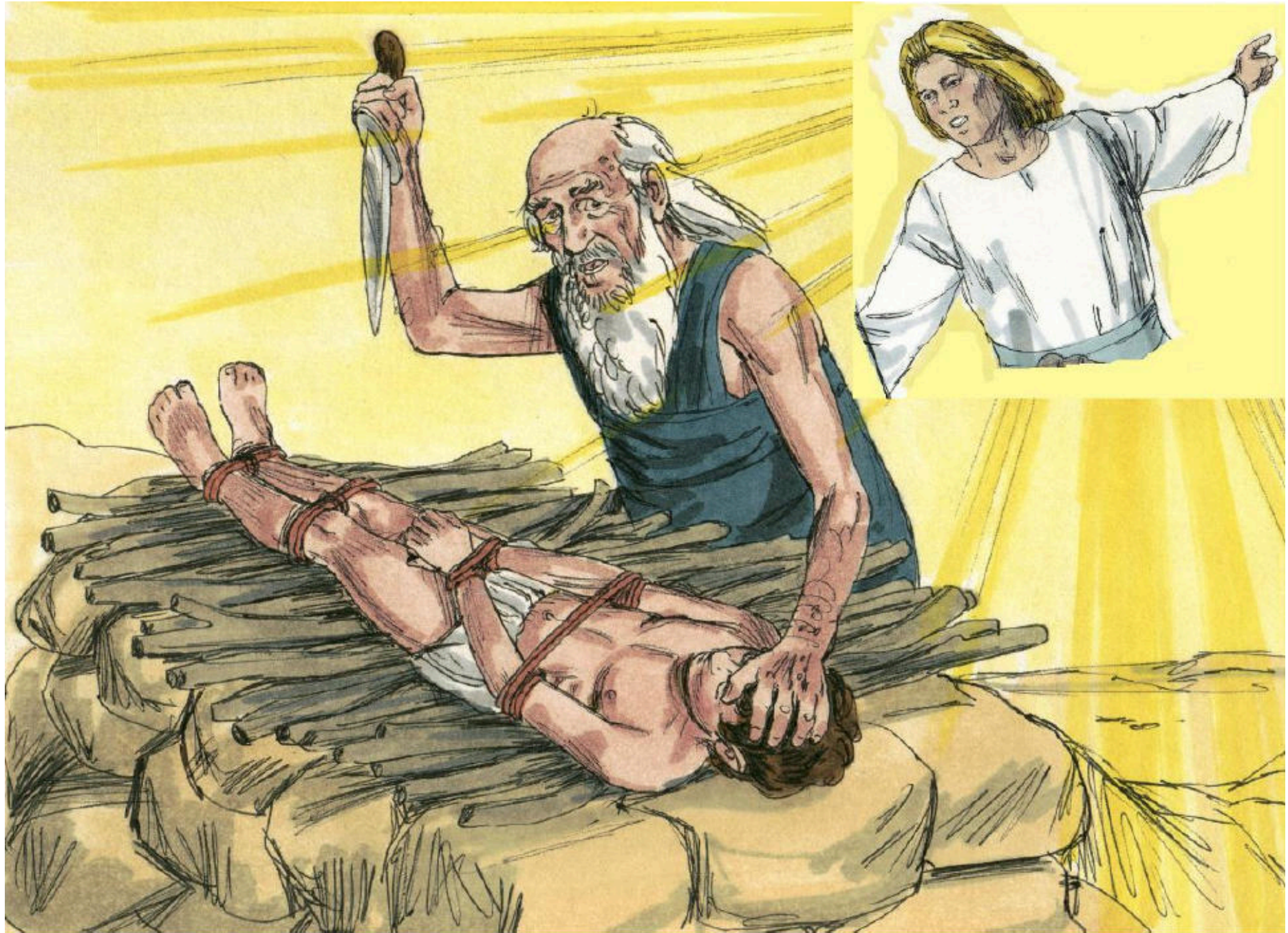
अब्राहम आपड़ौ बेटा गिनियौ डान्डै
माइं डैऔ। आग औज़ि छुरि
अब्राहमेइ आपड़ै आथेदि नी। तैबै
बेटाइ अब्राहम कौइ पुछ़ौ कि आग
औज़ि लाकड़ै तै आम्कै औस्ति पर
बौळि खि खाड़ु केत्कै।



अब्राहमेइ बोलौ खाडूं रौ इन्तज़ाम
परमेश्वर आफुइ कौरै। तैबै अब्राहम
तेत्कै डैऔ ज़ेत्कै डेणेखि परमेश्वरेइ
तेसारि बोलौ थौ। औज़ि तेत्कै
अब्राहमेइ एक बेदि चाणीं।



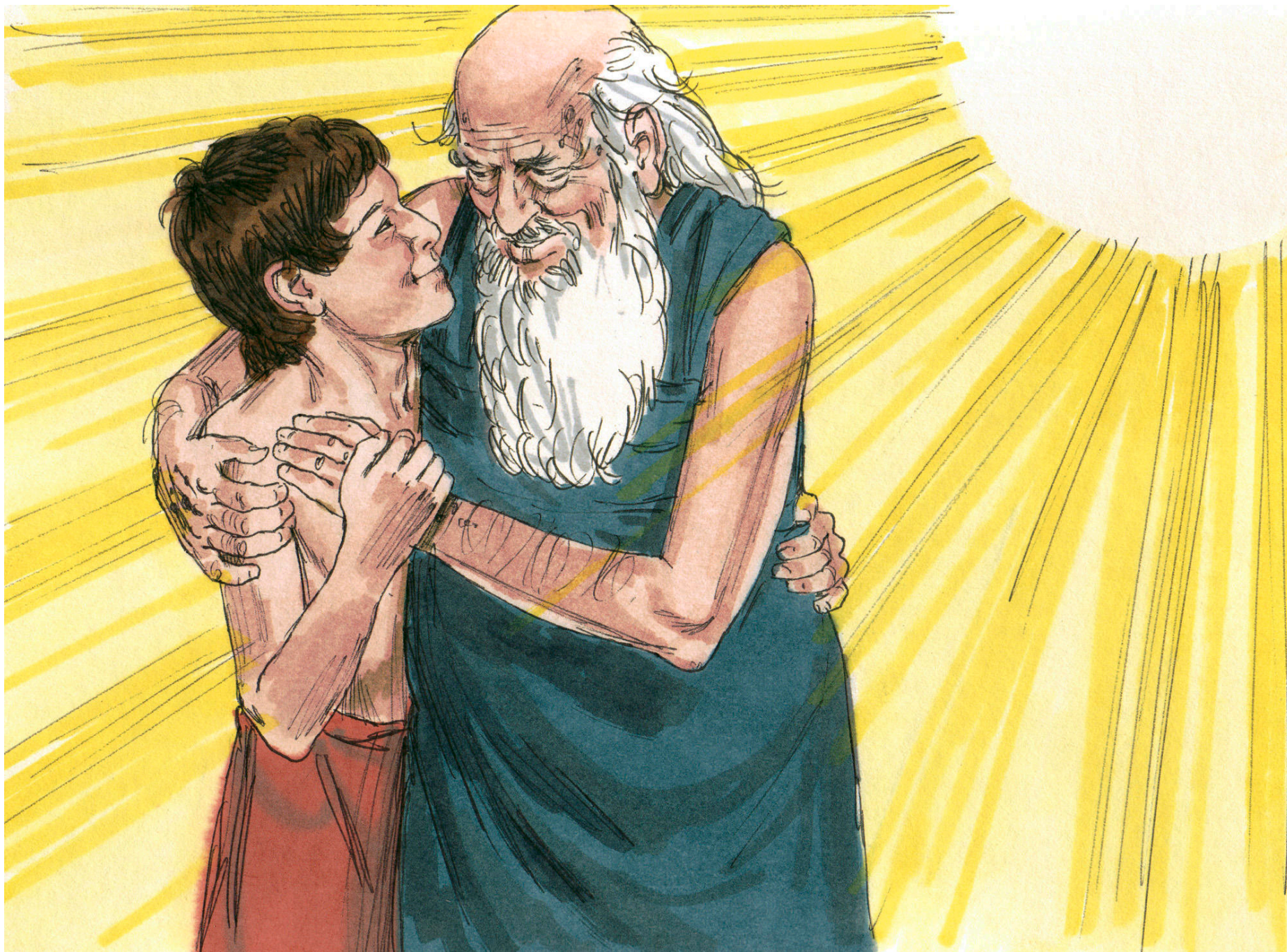
अब्राहमेइ आपड़ौ बेटा बेदि माइं थौ ।
औज़ि बेटा रि बौळि कौरनेखि तियार
उवौ । तैबै एक दूतेइ औटाउइयौ
अब्राहम आरि बोलौ ।



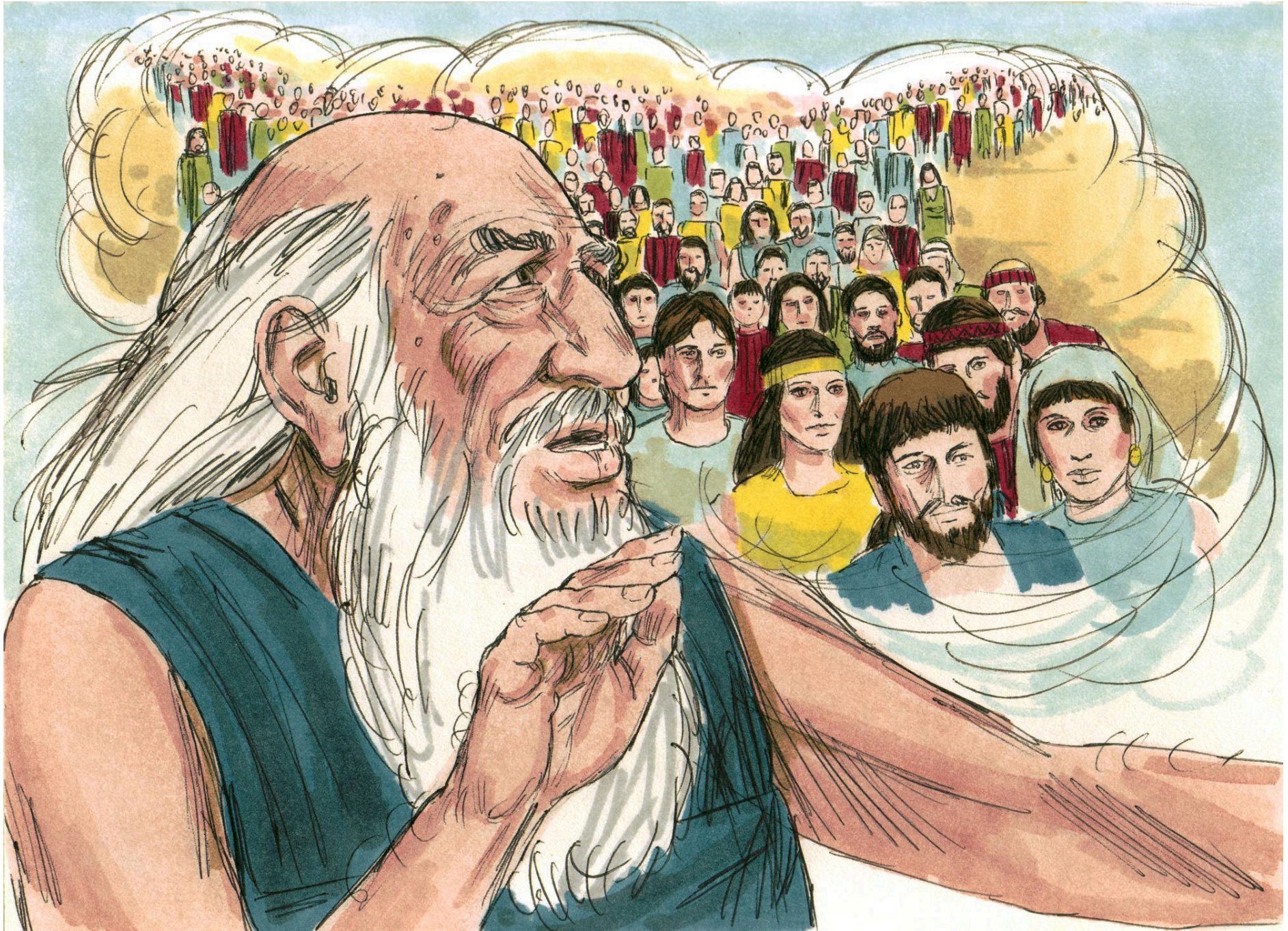
ए अब्राहम आपड़ौ बेटा रि बौळि ना
चौड़ाउ। ताइं तै आपड़ौ बेटा बी
मुखि देणनेखि ना ना कौरि। ऐबै आउं
जाणिगो कि तू मेरि आज्ञाइ मानै।



तैबै अब्राहमेइ खाडु ज़ाड़िदि
फौशौन्दौ देखौ। तैबै अब्राहमेइ
आपड़ौ बेटा रि ज़ागा दि खाडु रि
बौळि चौड़ाइ। तैबै अब्राहमेइ सेज़ी
ज़ागा रौ नौऊं यहोवा यीरे थौ।



जेसरौ मतलब एशौ कि “परमेश्वर
उपाय कौरनै वाळौ।” परमेश्वरेइ
बोलौ कि तू आपड़ौ बेटा रि बौळि
चौड़ाणेखि तियार उवौ। एज़ी बौज़ै
कौइ आऊं ताउंके आशिश देउ।



तैबै परमेश्वरेइ अब्राहम कै आशिश
देणि, औज़ि बोलौ आउं तेरौ वंश
गौइणी रै तारौउं ज़ेती बौड़ाउ । तेरि
वंश रि बौज़ै कौइ सारि ज़ातियै
आपखी दन्य बोलै लै । केलाकि ताइं
मेरि बुशै मानी ।

For the Teacher

This Big Book is designed to be used for two weeks. It promotes enjoyment of storybooks, development of vocabulary, the skills of prediction, sequencing and main idea, and the understanding that books are made up of words.

On **Monday**, the teacher

- shows everyone the cover of the book
- reads the title, while moving a finger under it
- turns to the first page, and discusses the picture (asks the children to predict what will happen)
- reads the text on the first page, fluently (not slowly), and
- asks the children what they think they will see on each page. (The teacher is the only one “reading.”)

On **Tuesday**, the teacher

- shows everyone the book, and
- reads the story again, following the words with a finger, without as much discussion of the pictures.

On **Wednesday**, the teacher

- invites children to join in with “reading” when the story comes to parts which are familiar to them
- shows a flashcard from the story and tells the class what the card says, and
- invites children to find the same word in the storybook (or to match the card with the word in the book to see if it is the same)

On **Thursday**, the teacher

- points smoothly to the words in the story and lets some volunteers “read” a page, if they can remember the story by now, and
- lets the children match the flashcards to the words in the story.

On **Friday**, the children

- act out (dramatize) the story as others help the teacher “read” it.

यह किताब NLCI संस्थान के द्वारा तैयार की गई है।

हम मातृभाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अन्तर्गत हम अपने क्षेत्र में अलग अलग भागों में शिक्षा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें। और पढ़ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें।

हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मातृभाषा का उपयोग करते हैं। इसलिए हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिए जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते हैं। उसे उन्हीं की मातृभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें।

हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मातृभाषा में वयस्क शिक्षक ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिये तथा बच्चों के लिये भी अलग-अलग तरह की पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मातृभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे कि बच्चे अपने बचपन से ही अपनी मातृभाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक विकास हो सकें।

.....धन्यवाद.....



This book was created with some Bloom Enterprise features enabled at no cost in order to support projects solely funded by the local community.